जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 36 | संख्याः 157 | प्रभात | अजमेर, सोमवार 12 जनवरी, 2026 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

कभी भी हो सकता है, ग्रीनलैंड पर अमेरिका का हमला

ट्रंप को डर है कि देर होने से रूस व चीन को ग्रीनलैंड में दखल देने का मौका मिल जाएगा

■ **यह चर्चा है कि ट्रंप ने स्पेशल फोर्सेज़ के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है, पर सेना अभी तक इस हमले पर एक राय नहीं है।**

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। ग्रीनलैंड पर अमेरिका का सैन्य हमला बहुत जल्द हो सकता है। यह आशंका जताई जा रही है क्योंकि एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी स्पेशल फोर्सेज के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है। ट्रंप ने कथित तौर पर अमेरिकी सेना के शीर्ष अफसरों से कहा है कि उनको ग्रीनलैंड में कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि इस मामले में ज्यादा देरी ठीक नहीं है। ट्रंप को लगता है कि ग्रीनलैंड पर देर करने से चीन और रूस को वहां दखल का मौका मिल सकता है। कई एक्सपर्ट नेअगले कुछ दिनों या घंटों में ही हमले की आशंका जताई है।

यह रिपोर्ट ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा किया जाएगा। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा के पीछे अमेरिका की सुरक्षा का हवाला दिया है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ऐसा नहीं करेगा तो चीन या रूस यह कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया है कि वह ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए सैन्य विकल्प खुला है। ग्रीनलैंड फिलहाल डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है।

डेली मेल ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रंप जल्दी से जल्दी ग्रीनलैंड पर कब्जे का प्लान चाहते हैं। ट्रंप हमले की योजना के लिए जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ इससे सहमत नहीं हैं। दूसरी ओर राजनीतिक सलाहकार स्टीफन मिल ग्रीनलैंड पर कार्रवाई चाहते हैं।

रिपोर्ट में डिप्लोमैटिक केबल के हवाले से कहा गया है कि घरेलू राजनीतिक कारणों से ट्रंप एक ऐसी स्थिति बना सकते हैं, जो बाद में समझौते की तरफ मुड़े। यूरोपीय अधिकारियों को डर है कि ट्रंप के लिए मिड-टर्म से पहले मौके खत्म हो रहे हैं, इसलिए वह जल्द ही ग्रीनलैंड में कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि अभी सेना में इस पर एकराय नहीं है।

ट्रंप कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा करनी होगी क्योंकि उस पर रूस और चीन की नजर है। ग्रीनलैंड की रक्षा के लिए हमें उसे अपने नियंत्रण में लेने की जरूरत है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीते साल और हालिया दिनों में कई बार कहा है कि ग्रीनलैंड का अमेरिका के नियंत्रण में होना उनके देश की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। दूसरी ओर डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ने कहा है कि वह इसके लिए तैयार नहीं है। डेनमार्क सरकार ने अमेरिका के सैन्य हमले की सूरत को नाटो के खत्म हो जाने तक की धमकी दी है। ग्रीनलैंड उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच है। यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। अपनी विशेष स्थिति (लोकेशन) की वजह से ग्रीनलैंड मिसाइल हमलों की स्थिति में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम के लिए अहम है। जहाजों की निगरानी के लिए भी यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

संघ बदल नहीं रहा, विकसित हो रहा है- भागवत

■ **संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था।**

नई दिल्ली, 11 जनवरी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (11 जनवरी) को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में आने वाली फिल्म शतक के गाने के एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है। इस मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे। उन्होंने आगे कहा, जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की सैटेलाइट फोन पर बातचीत पकड़ी

गणतंत्र दिवस के दौरान शांति के लिए इंटरनैशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरु

■ **जिस स्थान पर कम्युनिकेशन ट्रेस हुआ, वह अंतर्राष्ट्रीय सीमा से मात्र एक किलोमीटर दूर है। सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों सहित पूरे क्षेत्र में तलाशी व घेराबंदी अभियान तेज कर दिया।**

श्रीनगर, 11 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के कनाचक इलाके में संदिग्ध सैटेलाइट फोन कम्युनिकेशन ट्रेस किया गया है। सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सैटेलाइट फोन के जरिए आतंकियों की बातचीत ट्रेस से कई जानकारियां सामने आई हैं।

बताया जा रहा है ये इलाका इंटरनेशनल बॉर्डर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर है। बातचीत इंटरसेप्ट होने के तुरंत बाद सुरक्षाबल हरकत में आए और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए संचार का पता थुराया सैटलाइट उपकरण से लगाया गया, जिसके बाद जम्मू - कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना द्वारा संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया है।

जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित कानाचक, अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर दूर है। पहले आतंकवादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ के मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों समेत पूरे क्षेत्र में तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिया है, ताकि क्षेत्र में सक्रिय माने जा रहे लगभग तीन दर्जन आतंकवादियों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस के दौरान शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत ये सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं होगी- डीएमके

कांग्रेस के सत्ता में साझेदारी के प्रस्ताव को डीएमके ने अस्वीकार किया

■ **डीएमके नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी ने पहले भी चुनाव में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया पर सरकार हमेशा अकेले बनाई।**

दिंडीगुल (तमिलनाडु), 11 जनवरी। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई. पेरियासामी ने रविवार को तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं।

पेरियासामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करना तमिलनाडु कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन डीएमके हमेशा इस तरह की मांग के पक्ष में नहीं रही है। उन्होंने कहा, कभी भी गठबंधन सरकार नहीं बनी। राज्य हमेशा का नेतृत्व हमेशा डीएमके ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस रुख पर अडिग है और मुख्यमंत्री इस पर स्पष्ट हैं कि कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी।

तमिलनाडु कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है।

तमिलनाडु कांग्रेस ने कहा है कि अगर गठबंधन जीतता है तो उन्हें सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए।

1967 से डीएमके और एआईएडीएमके ने हमेशा अपनी सरकार बनाई है, भले ही चुनावों में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया हो।

1952 में पहली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत नहीं ला सकी थी। उस समय गैर-कांग्रेसी नेताओं को सरकार में जगह मिली थी।

2006-2011 में भी डीएमके ने सहयोगियों के समर्थन से पूरी पांच साल की सरकार चलाई, लेकिन सत्ता साझा नहीं की।

सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली

■ **प्रदूषण के कारण अस्थमा बढ़ने से वे 5 जनवरी को गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई थीं।**

नयी दिल्ली, 11 जनवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रमुख सोनिया गांधी को रविवार शाम सर गंगाराम अस्पताल से सेहत में सुधार होने के बाद छुट्टी मिल गयी। ठंड और दिल्ली प्रदूषण के कारण अस्थमा से जुड़े लक्षण बढ़ ने पर गांधी को पांच जनवरी को सर गंगाराम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्स ने गलती मानी, महिलाओं के 3500 अश्लील कंटैंट हटाए

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत के कानून के हिसाब से काम करने का भरोसा दिलाया

■ **इलैक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने महिलाओं के अश्लील कंटैंट 72 घंटे में हटाने के लिए एक्स को निर्देश दिए थे।**

नई दिल्ली, 11 जनवरी। सरकार की आपत्तियों के बाद इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने महिलाओं के अश्लील पोस्ट के मामले में अपनी गलती मानते हुए 3500 कंटेंट को हटा दिया है। इस प्रकार के कंटेंट का सृजन करने वाले 600 से अधिक खातों को बंद भी कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय की तरफ से महिलाओं के अश्लील कंटेंट को लेकर आपत्ति उठाई गई थी और एक्स को 72 घंटे के भीतर इन कंटेंट को हटाते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया गया था।

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स ने इस मामले में अपनी गलती मानते हुए इस बात का आश्वासन दिया है कि भारत में एक्स यहां के कानून के हिसाब से काम करेगा। मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में कांग्रेस व वामपंथी दशकों से मैच फिक्सिंग कर रहे हैं- अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री ने केरल के स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक ली

■ **अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट शून्य सीटों की ओर बढ़ रहे हैं तथा वहाँ भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है।**

तिरुवनंतपुरम, 11 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर तीखा हमला करते हुए उन पर मैच फिक्सिंग, परस्पर समझौते और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि केरल में निश्चित तौर पर भाजपा की सरकार बनेगी।

शाह ने यहां स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दशकों से राजनीतिक नाटक कर रहे हैं और जब भी चुनावी गणित की जरूरत पड़ी, दोनों एक-दूसरे के बचाव में खड़े हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच दशकों से यह चलन बना हुआ है कि जब कांग्रेस बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो वामपंथी उसका समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसी तरह जब त्रिपुरा में वामपंथियों को राजनीतिक समर्थन की जरूरत पड़ी, तो कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया। शाह ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल और केरल में एक साथ चुनाव होने के कारण ही कांग्रेस और कम्युनिस्ट वहां औपचारिक गठबंधन में नहीं आए, अन्यथा दोनों वहां भी साथ चुनाव लड़ते।

शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों शून्य सीटों की ओर बढ़ रहे हैं और वहां भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है। केरल में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने अब तक 30 ग्राम पंचायतें और दो नगरपालिकाएं जीती हैं। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में आज भाजपा का मेयर होना पार्टी की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शाह ने कहा कि भविष्य भाजपा का है और वह दिन आएगा जब केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा।

उन्होंने कहा कि यह सफलता भाजपा कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण की बदौलत संभव हुई है। शाह ने राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में बात करते हुए कहा कि 1984 में लोकसभा में भाजपा के केवल दो सांसद थे, जबकि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बना चुकी है।

उन्होंने असम का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी भाजपा कभी केवल दो विधानसभा सीटों पर सिमटी थी, लेकिन आज वह तीसरी बार सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। शाह ने आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ न तो आस्था की रक्षा कर सकते हैं, न केरल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं और न ही राज्य का विकास कर सकते हैं।

शाह ने यह भी कहा कि उन्होंने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा मेयर बनने पर पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन करने का संकल्प लिया था और उनकी यह यात्रा उसी संकल्प की पूर्ति है।

प्रधानमंत्री सोमनाथ में शौर्य यात्रा में शामिल हुए

■ **उन्होंने कहा, एक हजार साल पहले हमारे पुरखों ने इस जगह के लिए जान की बाजी लगा दी थी।**

सोमनाथ, 11 जनवरी। पीएम मोदी आज (रविवार को) अपने सोमनाथ के दौरे के दौरान शौर्य यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सक्रिय सेवा का अवसर मिला है। आज देश के कोने-कोने से लाखों लोग हमारे साथ जुड़े हैं, उन सबको मेरी तरफ से जय सोमनाथ।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ये समय अद्भुत है, ये वातावरण अद्भुत है, ये उत्सव अद्भुत है। एक ओर देवाधिदेव महादेव, दूसरी ओर समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की ये गूंज, आस्था का ये उफान और इस दिव्य वातावरण में भगवान सोमनाथ के भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को भव्य और दिव्य बना रही है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज से करीब 1 हजार पहले इसी जगह पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत आज एडवांस सैटेलाइट लॉन्च करेगा

■ **इस सैटेलाइट को भारत की सुरक्षा व निगरानी क्षमताओं के लिए अहम माना जा रहा है।**

नई दिल्ली, 11 जनवरी। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) साल 2026 के अपने लॉन्चिंग कैलेंडर की शुरुआत पीएसएलवी-सी62मिशन से करने जा रहा है। इस मिशन के तहत एक खास पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट लॉन्च किया जाएगा, जिसे भारत की सुरक्षा और निगरानी क्षमताओं के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

इसरो का पीएसएलवी-सी62मिशन 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे लॉन्च होगा। यह लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से की जाएगी। इस मिशन में एडवांस अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-एन1 को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसे अन्वेषा नाम दिया गया है। इसे भारत के लिए आसमान में एक और आंख माना जा रहा है। अन्वेषा एक विशेष इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इसमें दुश्मन के ठिकानों की सटीक तस्वीरें लेने और मानचित्रण करने की उन्नत क्षमता है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से भारत की निगरानी और सुरक्षा को और मजबूत करेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेन्द्रजीत मालवीया के वापस कांग्रेस में जाने की चचाएं चलीं

उनके समर्थक कहते हैं कि मालवीया कुछ समय से भाजपा में उपेक्षित महसूस कर रहे थे

■ **जिला परिषद की अंतिम बैठक में बाँसवाड़ा विधायक अर्जुन बामनिया ने जिला प्रमुख रेशम मालवीया को खुले रूप में कांग्रेस में वापस आने का आमंत्रण दिया था। रेशम मालवीया की सधी हुई प्रतिक्रिया से भी इन चर्चाओं को बल मिला था।**

बांसवाड़ा, (निसं)। पूर्व केबिनेट मंत्री एवं वागड़ क्षेत्र के दिग्गज जनजाति नेता महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के कांग्रेस में वापसी के संकेत राजनीतिक क्षेत्र में तूफान मच गया है। कुछ टीवी चैनलों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को मालवीया के कांग्रेस में वापसी के संकेत मिले तो चारों ओर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

ध्यान रहे कि लोकसभा चुनाव से पूर्व मालवीया ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था एवं भाजपा ने उन्हें सांसद पद का प्रत्याशी बनाया। इतना ही नहीं, उनके रिश्तेदार को बागीदौरा से विधानसभा प्रत्याशी भी बनाया था लेकिन दोनों को ही हार का सामना करना पड़ा। लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं कि मालवीया को किसी पद से नवाज़ा जायेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की बागीदौरा क्षेत्र की यात्रा के दौरान इन चर्चाओं को गर्म किया गया था।

सूत्र बताते हैं कि लंबे समय से मालवीया भाजपा में अपने कद के अनुरूप सम्मान नहीं ले पा रहे थे। ऐसे में चर्चाएं चल पड़ी थी कि उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है। इधर मालवीया के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेने वाले कांग्रेसजनों को भी भाजपा की रीति-नीति समझ नहीं आ रही थी। जिला परिषद् की अंतिम बैठक में तो बांसवाड़ा विधायक अर्जुन सिंह बामनिया ने जिला प्रमुख रेशम मालवीया को खुले तौर पर वापस आने का आमंत्रण तक दे दिया था तब रेशम मालवीया ने भी इस प्रस्ताव को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया सधे हुए शब्दों में दी थी। तब लगने लगा था कि कोई न कोई खिचड़ी पक रही है।

पूर्व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया और बांसवाड़ा विधायक व पूर्व राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया कभी एक-दूसरे के खास हुआ करते थे लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मालवीया का पत्ता काटते हुए अर्जुन सिंह बामनिया को राज्यमंत्री पद से नवाजा था तभी से दोनों के बीच खटास महसूस की जाने लगी। इधर गहलोत और पायलट के बीच में विवाद हुआ तो इस विवाद के बीच गहलोत ने मालवीया को पुनः केबिनेट मंत्री पद से नवाजा। बताया जाता है कि इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में मालवीया को नेता प्रतिपक्ष बनाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन एन समय में उन्हें धोखा मिला। इसके बाद मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया लेकिन लोकसभा एवं विधानसभा सीट पर हार के बाद भाजपाईयों के संभवतः तेवर बदल गये और इसी के चलते मालवीया अपने को उपेक्षित समझने लगे। इधर कांग्रेस के पुराने साथियों ने भी संभवतः उन्हें घर वापसी के लिये प्रेरित किया। सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि प्रदेश स्तर पर लंबी खिचड़ी पक रही है इसी के चलते मालवीया की वापसी की राहें बनने लगी।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी आईएस के ठिकानों पर हमले किए

■ **अमेरिकी सैंट्रल कमांड के अनुसार, ये हमले, 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका व सीरिया की सेनाओं पर हुए जानलेवा आई.एस. हमले के जवाब में किए गए।**

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। अमरीकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को यह जानकारी दी।

कमांड ने एक्स पर पोस्ट किया, "आज, दोपहर लगभग 12:30 बजे अमरीकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर पूरे सीरिया में आईएस के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए।"

कमांड ने कहा कि ये हमले ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक का हिस्सा थे, जिसे 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका और सीरियाई सेनाओं पर हुए जानलेवा आईएस हमले के जवाब में 19 दिसंबर को शुरू किया गया था। हमले में आईएस के एक आतंकवादी ने घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो अमरीकी सैनिक और एक अमरीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)